भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1072
10 फरवरी, 2023 को उत्तर देने के लिए

कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण

1072. श्री नीरज डांगी:

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में कृषि उत्पादन में से कितना प्रतिशत प्रसंस्करण किया जा रहा है;

(ख) सरकार द्वारा प्रसंस्करण के स्तर को बढ़ावा देने के लिए और इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए क्या-क्या उपचारात्मक कदम उठाए गए हैं; और

(ग) क्या देश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में आवश्यक अनुसंधान एवं विकास की पर्याप्त कमी है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इसके लिए अब तक सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं और जागरुकता कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क): खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने मैसर्स डेलोएट द्वारा "भारत में खाद्य प्रसंस्करण के स्तर को निर्धारित करने के लिए अध्ययन" नामक एक अध्ययन शुरू किया था। अध्ययन रिपोर्ट (2021) के अनुसार, प्रमुख कृषि वस्तुओं के लिए प्रसंस्करण का अनुमानित स्तर (प्रतिशत में) निम्नानुसार है :

माल	वर्ष 2015-16 (%)	वर्ष 2018-19 (%)
खुरदुरा अनाज	28 . 3	29 . 4
फल	2 . 9	4 .5
सब्ज़ियाँ	2 . 2	2 . 70
दूध	20 . 1	21 . 1
मछली	8 . 3	15 . 4
मांस	22 . 7	34 . 2

(ख): एमओएफपीआई अतिरिक्त फसलोत्तर सुविधाएं / प्रसंस्करण अवसंरचना बनाने, मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने, कटाई के बाद के नुकसान को कम करने, निवेश का लाभ उठाने और रोजगार पैदा करने के लिए प्रधान मंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई), प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी विभिन्न योजनाओं को लागू करता है। सरकार ने स्वचालित रूट के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 100 % प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की भी अनुमति दी है।

(ग): खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लाभ के लिए मांग आधारित अनुसंधान एवं विकास कार्य करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु पीएमएसकेवाई के एक घटक के रूप में, अनुसंधान और विकास योजना को कार्यान्वित किया है। मंत्रालय के अधीन, दो राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम)- तंजावुर और कुंडली, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में कई शोध कार्यक्रम भी चलाती है।

(घ): मंत्रालय के प्रचार पहल के माध्यम से देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की क्षमता और संभावना के विषय में तथा सरकार की योजनाओं/नीतियों के विषय में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यशालाओं, सेमिनारों, प्रदर्शनियों और मेलों के आयोजन के लिए सहायता प्रदान की जाती है। मंत्रालय के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से प्रचार गतिविधियां भी की जाती हैं।

*****